UTTAR PRADESH 5256 100 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००रु. Rs 100

भारत

एक सौ रुपया ONE HUNDRED RUPEES

विक्रेतागण अनुसूचित जाति व जन जाति के सदस्य नहीं हैं।

चूंकि ललतू व बलवीर पुत्रगण श्री नेतराम जाति जाट निवासीगण ग्राम मनोहरपुर परगना व

225

जिला मुरादाबाद के हैं। जोकि आराजी काश्त भुमिधरी खाता नम्बरी ६१ इकसठ खसरा-

नम्बरी ७६० सातसौ नब्बे रकबई ५० डि० पचास डिसमिल लगानी नया सालाना ५)६० जिस

की किस्म जमीन दुमट दोयम है और जिसकी बाजारी कीमत मुबलिग् ५०००)रु० पांच हजार

रुपये बाऐतबार किस्म जमीन व नया लगान होती है और उसी पर स्टाम्प अदा कियाजाता

अलव्द ---

नि० अ० ललतू

अलव्द ---

नि०अ० बलवीर

UTTAR PRADESH 100 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००रु. Rs 100

भारत

एक सौ रुपया ONE HUNDRED RUPEES

है वाक़ेय ग्राम मनोहरपुर परगना व ज़िला मुरादाबाद मुकिरानकी भूमिधरी है जिसपर मुकिरान

बहैसियत भूमिधर होने के बिला शराकत ग़ैरे तनहा मालिक व काबिज़ व दख़ील हैं और जो इस

वक्त तक हरकिस्म के रहन व बैय व हिबे व मुआयेहदा बैय दीगरे व करज़े जात सरकारी व

ग़ैर सरकारी वग़ैरा से क़तई बरी व पाक व साफ़ है और जिसके इंतकाल के जुमला अख़तियार

मालिकाना हम मुकिरान को हरतरह पर हासिल हैं कोई अमर मानेय इंतकाल उसके का किसी

अलब्द — — — — — — — — — — — — — — — —
नि०अ० ललता

अलब्द — — — — — — — — — — — — — — —
नि०अ० ज़ाकीर

UTTAR PRADESH 100 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००रू. Rs 100

भारत

एक सौ रुपया ONE HUNDRED RUPEES

तारे पर नहीं है। पस बहालत सेहतनफस व सबाते अक्ल बादुरुस्ती होशो हवास खमसा व

बखुशी व रजामन्दी अपनी अपनी के आराजी मजकूरा बाला किलस्वज मुबलिग ४०००)रु० चार

हजार रुपेय कि आधे जिसके मुबलिग २०००)रु० दो हजार रुपेय होते हैं। बदस्त श्री प्रेमचन्द

जैन पुत्र श्री चतरसैन जैन निवासी २१ गनेशचन्द एवन्यू कलकत्ता निवासी हाल न्यू सिविल

लाईन्स मुरादाबाद को बेय कतई करदी और बेचडाली हमने और जरे समन उसका तमाम व

कमाल कब्ल रजिस्टरी बेयनामा हाजा खरीदार मजकूर से नकद वसूल पाकर कब्जा व दखल

आनन्द -------- नि०अ० ललित

आनन्द -------------- नि०अ० कबीर

UTTAR PRADESH 100 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००रु. Rs100

भारत

एक सौ रुपया ONE HUNDRED RUPEES

मालिकाना हटाकर कब्जा व दखल मालिकाना मिस्ल जात खास अपनी के आराजी मुबईया पर

खरीदार मजकूर का करादिया हमने अब हमारा कोई ताल्लुक या वासता आराजी मुबईया या

जुर्ज़ सथन उसके से बाकी नही रहा और ना आईन्दा होगा । खरीदार मजकूर को हक हासिल

है कि वह हमारा नाम कागजात सरकारी से खारिज कराकर अपना नाम दर्ज कागजात करालें

खरीदार मजकूर के इन्दराज नाम मेंने होगा चुनाचे तकाबिजुलबदलैन अमल में आगया जुमानदर्क

व मुतेहल्लीक उसका बाजिम्मे हमारे है जो शास्कन या कानूनन वाके आवे । अगर बदावेदारी

अन्वद---------------
नि०अ० ललतू

अन्वद-----------------
नि०अ० [illegible]

75 Rs.

पछत्तर रूपया

भारत

INDIA

७५रू. SEVENTY FIVE RUPEES 75RS

-५-

किसी शरीक या सहीम हमारे के आराजी मुबईया का जुज् या कुल कब्जे खरीदार मज्कूर से निकल जावे तो उसी कदर वापसी जरे समन की देनदारी व जिम्मेदारी बाजिम्मे हमारे होगी। और हम मुकिरान जुम्ला कानूनी कार्रवाईयों के पाबन्द रहेंगे। लिहाजा यह बैनामा कतई लिखदिया कि सनद हो और वक्त जरूरत के काम आवे।

अलब्द------------------	अलब्द------------------
नि०अ० ललत	नि०अ० कबीर

गवाह------------------

सुप्रसाद पुत्र श्री रामचन्द्र
लाइनपार, मोर किलिंग
मुरादाबाद

गवाह------------------

नि०अ० यादरामसिंह पुत्र खुशहाल सिंह नि० ग्राम मनोहर पुर [illegible] मुरादाबाद।

नोट :- मैंने किस्म जमीन के सही होने की बाबत प्रमाण पत्र श्रीमान तहसीलदार साहब मुरादाबाद से तसदीक करलिया है कि किस्म जमीन दुम्मट दोयम है जो सही है।

जगन लाल कातिब

यह बैनामा हाजाआज बतारीख २० नवम्बर सन् १९७८ ई० को बाइकरार मुकिरान बमुकाम मुरादाबाद बकितावत जगनलाल कातिब जिसको तुफैलअहमद ने टाईप किया।

तुफैल अहमद टाइपिस्ट

दस्तावेज लेखक का नाम जगनलाल
[illegible] २० [illegible] ३९ [illegible]
[illegible] मुरादाबाद [illegible]

[illegible] जगनलाल कातिब

20.11.74

CASHIER TEHSIL
MORADABAD
20-11.74

20/11/74

16/3/79

1709 509516.

5256 [illegible] 4/7/78

16 7/79 को 5 [illegible] 147 20-6-79
दाखिल किया

16/7/79